



## ग्रामीण कृषी मौसम सेवा

भारत मौसम विभाग

प्रायोगिक ब्लॉक लेव्हल अॅग्रोमेट अॅडव्हायझरी बुलेटिन  
(आयएमडी आणि आयसीएआर चा संयुक्त उपक्रम)



### हवामानावर आधारीत कृषि सल्ला

दिनांक : 30-06-2026

नागपूर(महाराष्ट्र) मध्ये नरखेड ब्लॉक करा साठी हवामान पूर्वानुमान - वर जारी :2026-06-30 ( पुढील पाच दिवसांसाठी सकाळी ८:३० वाजेपर्यंत वैध)

| हवामान घटक                       | 2026-07-01 | 2026-07-02 | 2026-07-03 | 2026-07-04 | 2026-07-05 |
|----------------------------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| पर्जन्यमान (मिमी)                | 19.6       | 28.2       | 23.4       | 17         | 7.4        |
| कमाल तापमान (अं.से)              | 31.2       | 30.1       | 28.2       | 28.2       | 29.5       |
| किमान तापमान (अं.से)             | 26.1       | 25.4       | 24.9       | 24.5       | 24.1       |
| सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (टक्के)  | 86.2       | 90         | 91.4       | 91.4       | 92.4       |
| दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (टक्के) | 63.1       | 68.6       | 76.3       | 76.8       | 69.2       |
| वाऱ्याचा वेग(किमी/तास)           | 12.3       | 15.5       | 16.5       | 12.3       | 14.7       |
| वाऱ्याची दिशा(अंश)               | 285.3      | 283.4      | 290.4      | 285.3      | 248.5      |
| मेघाच्छादन (ऑक्ट)                | 7          | 8          | 8          | 8          | 7          |

#### हवामान सारांश / चेतावणी:

• भारतीय हवामान विभाग, प्रादेशिक हवामान केंद्र, नागपूर च्या अंदाजानुसार, पुढील ५ दिवसा दरम्यान आकाश मुख्यतः ढगाळ राहण्याची शक्यता, • दिनांक ०१, ०२, ०३, ०४ आणि ०५ जुलै २०२६ रोजी हलक्या ते मध्यम स्वरूपाचा पाऊस होण्याची अधिक शक्यता वर्तविण्यात आली आहे. • दिनांक ०१ जुलै २०२६ रोजी वादळी वाऱ्यासह (४०-५० किमी/तास) मेघगर्जना व विजांचा कडकडाट आणि जोरदार स्वरूपाचा पाऊस होण्याची शक्यता, • दिनांक ०२ आणि ०५ जुलै २०२६ रोजी वादळी वाऱ्यासह (४० ते ५० किमी/तास) मेघगर्जना व विजांचा कडकडाट होण्याची शक्यता, • दिनांक ०३ आणि ०४ जुलै २०२६ रोजी वादळी वाऱ्यासह (३०-४० किमी/तास) मेघगर्जना व विजांचा कडकडाट आणि जोरदार ते अति जोरदार स्वरूपाचा पाऊस होण्याची शक्यता वर्तविण्यात आली आहे.

#### कृषि सल्ला:

• पेरणीयोग्य उपलब्ध ओलाव्याची खात्री करून सोयाबीन ची पेरणी ०७ जुलै पर्यंत, खरीप तीळ ०७ जुलै पर्यंत, खरीप ज्वारी ची पेरणी १० जुलै पर्यंत आणि मका ची पेरणी ०७ जुलै पर्यंत वाफसा अवस्थेत करावी. • शेतकरी बांधवांनी सोयाबीन लागवडीसाठी रुंद वरंबा सरी किंवा सरी वरंबा तंत्रज्ञानाचा अवलंब करावा. या पद्धतीमध्ये शेतात पाणी साचून राहणार नाही तसेच पावसाच्या खंड असलेल्या काळात पिक व्यवस्थापन करण्यात मदत होईल. • जिल्ह्यात मागील २ ते ३ दिवसामध्ये हलक्या ते मध्यम स्वरूपाचा पाऊस झाल्याने उपपावसाचे पाणी जागेवर मुरण्यासाठी मुख्यतः शेताची पेरणी पूर्व मशागतिची कामे समतल (कंटूर) रेषेला समांतर किंवा मुख्य उताराला आडवी करावी. • माती परीक्षा अहवालाच्या शिफारशीप्रमाणे रासायनिक खतांचा मात्रा घ्यावा व त्यानुसार रासायनिक खतांचा मात्रा वापर करावा. खतांचा डोस दिल्यास पिकांच्या उत्पादनात घट येते. • कोरडवाहू सलग पिका एवजी खालिल आंतर पिके घ्यावीत. कपाशी : ज्वारी : तूर : ज्वारी (६:१:२:१ ओळी), • सोयाबीन : ज्वारी : तूर : ज्वारी (६:१:२:१ ओळी), सोयाबीन : तूर (२:१ किंवा ४:१ किंवा ५:१ ओळी), कपाशी : मूग किंवा उडीद (९:१ ओळी).

**संक्षिप्त संदेश सल्ला:**

• पेरणीयोग्य पुरेसा ७५-१०० मिमी पाऊस, जमिनीत पुरेसा ओलावा आणि वाफसा स्थिती असल्याची खात्री करून सोयाबीन, तूर, मका, खरीप ज्वारी इत्यादी पिकाची पेरणी करावी.

**पिक निहाय सल्ला:**

| पिक     | पिक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|---------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सोयाबीन | <p>• पेरणीयोग्य पुरेसा ७५-१०० मिमी पाऊस, जमिनीत पुरेसा ओलावा आणि वाफसा स्थिती असल्याची खात्री करून सोयाबीनची पेरणी करावी. • सोयाबीन लागवडीकरता मध्यम ते भारी प्रतीची, उत्तम पाण्याचा निचरा होणारी, तसचे सामू ६.५ ते ७.५ असणारी जमीन निवडावी. नांगरणी नंतर वखराच्या २ ते ३ पाळ्या देऊन जमीन समपातळीत करावी त्याचबरोबर शेवटच्या वखराच्या पाळीपूर्वी ५ टन चांगले कुजलेले शेणखत अथवा कंपोस्ट खत पेरणी पूर्वी शेतात एक सारखे सम प्रमाणात मिसळून द्यावे. खते, तणनाशके, बुरशीनाशके आणि बीज प्रक्रियेसाठी लागणारी जीवाणू संवर्धने इत्यादी महत्वाच्या निविष्टांची उपलब्धता सुनिश्चित करावी. घरचे धान्य बियाणे म्हणून वापरावयाचे असल्यास बियाण्याची उगवण क्षमता तपासून घ्यावी. • सोयाबीन उत्पादक शेतकऱ्यांना असा सल्ला देण्यात येत आहे की, मान्सून चा १०० मिमी पाऊस पडल्यानंतरच सोयाबीन पिकाची पेरणी करावी. शेतकऱ्यांनी लवकर किंवा मध्यम पक्क होणाऱ्या सोयाबीनच्या किमान दोन जातींना प्राधान्य द्यावे आणि बीबीएफ (रुंद वरंबा सरी) लागवड पद्धतीचा वापर करावा. • पिकाच्या सुरुवातीच्या अवस्थेत रोग आणि कीटकांपासून वाचवण्यासाठी आणि रोपांची योग्य संख्या सुनिश्चित करण्यासाठी, एफआयआर (FIR) म्हणजेच बुरशीनाशके, कीटकनाशक आणि जीवाणू संवर्धक या अनुक्रमाचा वापर करून बियाण्यांस बीजप्रक्रिया करावी. • सोयाबीन पिकामध्ये, बियाण्यांचे बीजजन्य आणि मृदाजन्य रोगांपासून संरक्षण करण्यासाठी, बीजप्रक्रियेकरिता विविध बुरशीनाशक मिश्रणांची शिफारस केली जाते. यामध्ये अझॉक्सिस्टोबिन २.५% + थायोफानेट मिथाइल ११.२५% + थायमेथॉक्सम २५% एफएस १० मिली/किलो बियाणे, टायफ्लॉक्सिस्टोबिन ६% + थायोफानेट मिथाइल ११.२५% + थायमेथॉक्सम २४% एफएस २ मिली/किलो बियाणे, अझॉक्सिस्टोबिन १.५% + कार्बेन्डाझिम ८.०% + थायमेथॉक्सम ३०% एफएस (१०० ग्रॅम फॉर्म्युलेशन), पेनफ्लुफेन १३.२८% डब्ल्यू/डब्ल्यू + टायफ्लॉक्सिस्टोबिन १३.२८% डब्ल्यू/डब्ल्यू एफएस ०.८-१.० मिली/किलो बियाणे, कार्बोक्सिन ३७.५% + थिरम ३७.५% डब्ल्यूएस ३ ग्रॅम/किलो बियाणे, कार्बेन्डाझिम + मॅनकोझेब डब्ल्यूपी ३ ग्रॅम/किलो बियाणे, आणि फ्लुक्सापिरोक्साड ३३३ g/L एससी १ मिली/किलो बियाणे यांचा समावेश आहे. हंगामाच्या सुरुवातीच्या काळात येणाऱ्या कीड पासून संरक्षणासाठी, पेरणीपूर्वी बियाण्यांवर थियामेथॉक्सम ३० एफएस (Thiamethoxam 30 FS) १० मिली/किलो बियाणे या प्रमाणात किंवा इमिडाक्लोप्रिड ४८ एफएस (Imidacloprid 48 FS) १.२५ मिली/किलो बियाणे या प्रमाणात प्रक्रिया केली जाऊ शकते.</p> |
| भात     | <p>• हमखास पाऊसाच्या क्षेत्रामध्ये किंवा सिंचनाची सोय असल्यास पेरीव पद्धतीने भाताची लागवड ही जूनचा दुसरा आठवडा ते जुलैच्या १० तारखेपर्यंत करावी. • पावसाची हमी असलेल्या भागात किंवा सिंचनाची सोय असल्यास, भाताची पेरणी जूनच्या दुसऱ्या आठवड्यापासून ते जुलैच्या १० तारखेपर्यंत पेरीव धान पद्धतीने भाताची लागवड पद्धतीने करावी. • दोनदा नांगरटी करून व त्यानंतर डिस्कहॅरो किंवा रोटाव्हेटरने जमिनीची योग्य मशागत करून भुसभुशीत करावी. • कमी ते माध्यम कालावधीच्या भात वाणाची निवड करावी. • पेरणी करतानी भाताचे/धानाचे बि जमिनीत ५ से. मी. पेक्षा खोल जाणार नाही याची काळजी घ्यावी. • भात/धान पेरणीसाठी नागर, तिफण, मार्कर, ट्रॅक्टर, ट्रॅक्टर चलीत पेरणी यंत्र, ड्रम सीडर इत्यादीचा वापर करता येऊ शकतो. • तण व्यवस्थापन:- • तण व्यवस्थापनाकरिता तण नियंत्रणासाठी पेंडीमेथॅलीन ३०% ई. सी. (उगवणपूर्व) @ ५० मि.ली. किंवा प्रेटिलाक्लोर ५०% ई. सी. (उगवणपूर्व) @ २० ते ३० मि.ली. प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून पेरणीनंतर ओलावा असल्यास लगेच फवारणी व ३० दिवसांनी निंदण करावे. • उगवणपश्चात:- बिस्पायरीबॅक सोडियम २०% + पायरोझोसल्फ्यूरॉन इथाइल १५% WGD ३५% @ ०२ gm १० लिटर पाण्यात पेरणीनंतर १० ते १२ दिवसांनी किंवा मेटसलफ्यूरॉन मिथील १०% + क्लोरिम्युरोन इथाइल १०% WP २०% @ ०.७ ग्रॅम पेरणीनंतर २० ते २५ दिवसांनी १० लिटर पाण्यात फवारणी करावी. • रचे बियाणे वापरायचे असल्यास त्याची उगवण शक्ती घरीच तपासून घ्यावी व ७० ते ८०% च्या वर उगवणशक्ती असल्यास ते बियाणे पेरणीसाठी वापरावे तसेच त्या अनुषंगाने बियाण्याचे प्रमाण ठेवावे. • र्व विदर्भासाठी शिफारस केलेल्या भात वाणांचाच लागवडीसाठी वापर करावा. • पेरणीपूर्वी धान बियाण्यास बीज प्रक्रिया करावी. बीज प्रक्रियेसाठी १० लीटर पाण्यात ३०० ग्रॅम मीठ (३%) या प्रमाणात द्रावण करून त्यात बी ओतावे. द्रावण स्थिर झाल्यावर तरंगणारे हलके रोगयुक्त बी चाळणीने काढून जाळून टाकावे. तळातील निरोगी बी २-३</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |

| पिक   | पिक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|-------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|       | वेळा स्वच्छ पाण्याने धुऊन सावलीत २४ तास वाळवावे. पेरणीपूर्वी बियाण्यास बुरशीनाशकाची बीज प्रक्रिया करावी तसेच ट्रायकोडर्मा जैविक बुरशीनाशक ४ ते ५ ग्रॅम प्रती किलो बियाण्यास चोळून बीज प्रक्रिया करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| तूर   | <ul style="list-style-type: none"> <li>• पेरणीयोग्य पुरेसा ७५-१०० मिमी पाऊस, जमिनीत पुरेसा ओलावा आणि वाफसा स्थिती असल्याची खात्री करून तूर पेरणी करावी. • तुरीच्या पेरणीपूर्वी नागरणी व वखराच्या २ ते ३ पाळ्या देऊन शेतजमीन तयार करावी. शेवटच्यावखरणी पूर्वी १५ ते २० गाड्या / हेक्टरी चांगले शेणखत शेजमिनीत मिसळावे. • तूर पिक लागवडीकरिता शेतजमीन तयार करावी. • तूर पिकाचे चांगल्या प्रतीचे बियाणे अधिकृत विक्रेत्याकडून/प्रमाणित बियाणेधारकाकडूनच करावी. तूर बियाण्याला बीज प्रक्रियेसाठी रायझोबियम किंवा स्फुरद विरघळविणारे खते (पीएसबी) {२५० ग्राम प्रती १० किलो बियाणे} यांचा वापर करावा. • तूर पिकाचे शिफारस केलेले वाणएकेटी-८८११, पीकेव्ही-तारा, बीएसएमआर-८५३, बीएसएमआर-७३६, बीडीएन-७१६ आणि आयसीपीएल-८७११९ (आशा). • ज्या ठिकाणी तूर पेरणी झाली आहे अशा ठिकाणी वाफसा आल्यानंतर ज्या ठिकाणी खांडे पडले असतील त्या ठिकाणी बियाणे पेरून खांडे भरून घ्यावेत. • पेरणीपूर्वी तुरीच्या बियाण्यास कार्बोक्सीन ३७.५ % + थायरम ३७.५ % डीएस या पुर्वमिश्रीत बुरशीनाशकाची ३ ग्राम प्रती किलो बियाणे या प्रमाणात बीजप्रक्रिया करावी.</li> </ul> |
| कपाशी | • ज्या ठिकाणी कपाशी पेरणी झाली आहे अशा ठिकाणी वाफसा आल्यानंतर ज्या ठिकाणी खांडे पडले असतील त्या ठिकाणी बियाणे पेरून खांडे भरून घ्यावेत.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| तीळ   | • पेरणीयोग्य उपलब्ध ओलाव्याची खात्री करून खरीप तीळ पेरणी ०७ जुलै पर्यंत वाफसा अवस्थेत करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| मका   | <ul style="list-style-type: none"> <li>• पेरणीयोग्य पुरेसा ७५-१०० मिमी पाऊस, जमिनीत पुरेसा ओलावा आणि वाफसा स्थिती असल्याची खात्री करून मका पेरणी करावी. • मक्याच्या पेरणीसाठी राजर्षी, पीकेव्ही एम शतक, उदय, कुबेर यापैकी एका वाणांची निवड करावी. मक्याच्या खरीपातील पेरणीसाठी शक्यतो सरळ वाणांची निवड करावी, कारण संकरीत वाणांच्या तुलनेत सरळ वाणांचा लागवडीचा खर्च कमी व निव्वळ नफा जास्त येतो. • मका पिकावरील नवीन लष्करी अळीसाठी स्वच्छता मोहीम राबवावी व शिफारशीत खताची मात्रा द्यावी तसेच नत्र खतांचा अतिरिक्त वापर करू नये. मका बियाण्यास सायन्ट्रॅनिलीप्रोल १९.८ + थायोमेथॉक्साम १९.८ टक्के एफएस ६ मि.लि. प्रति किलो या प्रमाणे बीज प्रक्रिया करावी.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |

### फळे आणि भाजीपाला पिक निहाय सल्ला:

| फळे आणि भाजीपाला पिक | फळे आणि भाजीपाला पिक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
|----------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| संत्रा               | <ul style="list-style-type: none"> <li>• जमिनीमध्ये पुरेसा ओलावा असल्याची खात्री आणि वाफसा आल्यानंतर भरून ठेवलेल्या खड्ड्यांमध्ये संत्र वर्गीय फळझाडांच्या कलमांची लागवड करावी. कलमा लावतांना कलमांचा डोळा १५ ते २० सेंमी उंचीवर असावा. कलमा लावण्यापूर्वी मुळांना मेफेनोक्झाम एम झेड-६८ २.५ ग्राम आणि कार्बेन्डाझीम ५० % डब्ल्यूपी १ ग्राम प्रती १ लिटर पाणी या प्रमाणे द्रावण तयार करून बुडवून नंतर लावावीत. • झाडांच्या बुंध्याजवळ पाणी साचून राहणार नाही याची काळजी घ्यावी. झाडावरील पानसोट काढून टाकावेत. दोन ओळीमधील मोकळ्या जागेत उडीद, मुग, सोयाबीन, भुईमुग इत्यादी पिकाची आंतरपीक म्हणून लागवड करावी. हिरवळीच्या खताच्या उपलब्धतेसाठी धेंचा किंवा ताग ४० किलो प्रती हेक्टर बियाणे या प्रमाणात पेरणी करावी. • नवीन नवतीवर सिट्रस सिला, मावा आणि नाग अळीचा प्रादुर्भाव सामान्यपणे दिसून येतो. या किडींच्या व्यवस्थापनासाठी डायमिथोएट# ३० ईसी @ २० मिली किंवा थायमेथोक्झाम# २५ डब्ल्यूजी @ ३.० ग्राम किंवा इमिडाक्लोप्रिड# १७.८ एसएल @ ५.० मिली तसेच कोळी किडीच्या व्यवस्थापनासाठी डायफेनथीयुरोन# ५० डब्ल्यूपी @ २० ग्राम प्रती १० लिटर पाण्यात मिसळून नवतीच्या काळात स्वच्छ हवामान परिस्थिती असताना फवारणी करावी. आवश्यकता भासल्यास वरीलपैकी कोणत्याही किटक नाशकाची १५ दिवसाच्या अंतराने फवारणी करावी.</li> </ul> |

### पशुधन विषयक निहाय सल्ला:

| पशुधन विषयक     | पशुधन विषयक निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
|-----------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| गाय             | <ul style="list-style-type: none"> <li>• विजांचा कडकडाटासह मेघगर्जना होण्याची शक्यता लक्षात घेता गाय, म्हैस, शेळ्या, मेंढ्या व इतर पाळीव जनावरे मोकळ्या जागेत चरावयास सोडण्याचे टाळावे.</li> <li>• शेतकऱ्यांनी पावसाळ्यापूर्वी गोठा दुरुस्त करावा छताची छिद्रे बंद करावीत. गोठ्यात भोवती पाणी साचणार नाही याची दक्षता घ्यावी.</li> </ul> |
| बकरा किंवा बकरी | <ul style="list-style-type: none"> <li>• शेळ्यांना पायखुरी/तोंडखुरी, घटसर्प आणि आंत्रविषार टाळण्याकरिता पशुवैद्यकीय अधिकाऱ्याच्या सल्ल्याने लसीकरण करावे. जनावरांना स्वच्छ आणि थंड पाण्याची सोय करावी.</li> </ul>                                                                                                                        |

### इतर (माती / जमीन तयार करणे) निहाय सल्ला:

| इतर (माती / जमीन तयार करणे) | इतर (माती / जमीन तयार करणे) निहाय सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
|-----------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सामान्य सल्ला               | <ul style="list-style-type: none"> <li>• शेतकऱ्यांनी बियाणे खरेदी करताना स्थानिक हवामान व परिस्थितीचे अनुकूल शिफारस केलेले वाण निवडावेत. कारण अशा वाणांमध्ये कीडी व रोगांविरुद्ध प्रतिकारक्षमता किंवा सहनशीलता अधिक असते. नजीकच्या संगणक डाटा केंद्रांमध्ये उपलब्धलेल्या बियाण्यांच्या अनुभवाची माहिती बियाणे खरेदीसाठी उपयुक्त ठरू शकते. आपल्या परिसरातील कृषी विभागातील कृषी अधिकारी व शास्त्रज्ञ यांच्याशी चर्चा करून नवीन, सुधारित व संकरित वाणांची माहिती घ्यावी तसेच संबंधित पीक पद्धतीबाबत तांत्रिक मार्गदर्शन मिळवावे. ओलीत किंवा सिंचनाची सुविधा उपलब्ध असल्यास, त्यानुसार योग्य वाणाची निवड करावी. कोरडवाहू जमिनीसाठी शिफारस केलेल्या वाणांचीच निवड करावी. उत्तम प्रतीचे, खात्रीशीर बियाणे केवळ नोंदणीकृत कृषी सेवा केंद्रातून खरेदी करावे. कृषी विद्यापीठे किंवा विद्यापीठांचे संशोधन केंद्रांकडे बियाणे उपलब्ध असता तर तिथून ते खरेदी करावे. बियाण्याची खरेदी करताना केवळ कंपनीचे प्रतिनिधी किंवा विक्रेते यांच्यावर पूर्ण विश्वास ठेवू नये. तसेच कंपनीच्या जाहिरातींवर अवलंबून न राहता, संबंधित वाणांची अधिकृत माहिती तपासावी. शिफारस, स्थानिक परिस्थितीत त्याची कामगिरी, कृषी विभाग/विद्यापीठांचे मार्गदर्शन आणि इतर शेतकऱ्यांचा अनुभव यांचा विचार करूनच बियाण्याची निवड व खरेदी करावी.</li> </ul> |
| सामान्य सल्ला               | <ul style="list-style-type: none"> <li>• तननाशकाची खरेदी आणि फवारणी करताना लेबल नीट वाचून घ्यावे. ढगाळ हवामान व पाऊस असताना तननाशकाची फवारणी करू नये. वारा नसताना व जमिनीत पुरेसा ओलावा असताना उगवण पूर्व तन नाशकाची फवारणी करावी. फवारणीकरिता स्वच्छ पाणी वापरावे तसेच कडक उन्हात उगवण पश्चात फवारणी टाळावी. तन नाशकाचा वापर काळजीपूर्वक करावा. फवारणी पूर्वी फवारणी पंप स्वच्छ धुवून घ्यावा. ढगाळ हवामान असतांना फवारणी करू नये. शिफारशीत नसलेली भिन्न तननाशके एक मेकांत मिसळू नये. तननाशकाची फवारणी पूर्वी जमिनीमध्ये पुरेसा ओलावा असल्याची खात्री करावी.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |